

॥ श्री लक्ष्मी आरती ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता  
तुम को निशदिन सेवत  
मैयाजी को निस दिन सेवत हर विष्णु विधाता  
ॐ जय लक्ष्मी माता

उमा रमा ब्रह्माणी तुम ही जग माता  
ॐ मैया तुम ही जग माता  
सूर्य चन्द्र माँ ध्यावत नारद ऋषि गाता  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

दुर्गा रूप निरञ्जनि सुख-सम्पति दाता  
ॐ मैया सुख सम्पति दाता  
जो कोई तुम को ध्याता ऋद्धि-सिद्धि धन पाता  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

तुम पाताल निवासिनि तुम ही शुभ दाता  
ॐ मैया तुम ही शुभ दाता  
कर्म प्रभाव प्रकाशिनि भव निधि की दाता  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

जिस घर तुम रहती हो तहाँ मैं हूँ सद्गुण आता  
ॐ मैया तहाँ मैं हूँ सद्गुण आता  
सब सबब हो जाता मन नहीं घबराता  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

तुम बिन यज्ञ न होते ब्रह्म न कोई पाता  
ॐ मैया ब्रह्म न कोई पाता  
खान पान का वैभव सब तुम से आता  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

शुभ गुण मन्दिर सुन्दर कीरोदधि जाता  
ॐ मैया कीरोदधि जाता  
रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहीं पाता  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

महा लक्ष्मीजी की आरती जो कोई नर गाता  
ॐ मैया जो कोई नर गाता  
ऊँर आनन्द समाता पाप उतर जाता  
ॐ जय लक्ष्मी माता

द्विज चर जगत बचावे कर्म प्रेम ल्याता  
ॐ मैया जो कोई नर गाता  
राम प्रताप मैया की शुभ दृष्टि चाहता  
ॐ जय लक्ष्मी माता ॥

॥ इति मा महालक्ष्मी कि जय ॥